IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

ह्नपाची इश्म'माजि र्जिन हुमिर्वी र्निवठ

दयियछद्दछ हुश्स दूठकीह मष्वए जारितख्वक्ष माइपए
दचश्रवण

ह्नपाची इश्म'यारि ठद्द हुमिर्वी की रव श्रिम यंघ्द ठक्ष दाहवी चर्ख्मइ र्जिन यज्ञळ मद्द र्वलिदा रश्श्रिदा रघ्ण्दू`ष्व `द्द हुमिवेम यूृतवी री इश्म'यारि की यिवपक्ष का ृक्षइ दागव रख्की रघ्णश्रिय मवमद्द इश्म यारि र्जिन चद्धध्ए कविदाए पक्षरज्ञए चठयर्हीए ग्वीए द्रचवए हष्क्ए हाकी देद्द वर्ख्ज्ञ का पिंमव चटी ग्रपीकती ठाइ मीा ड्डिका रघ्ण श्रिय `वफज्ञ इश्म यारि की यिवपक्ष हुमिर्वी की तश्क र्जिन वरिक जाइा इश्मृठय मवका रघ्णपिय र्जिन रख्व कद्द जिदमी की `वफज्ञ ृयठक्षीहक्ष्क ठपंव ठरी। दाज्छ|काण्इश्म'यारि हुमिर्वी ठाइ यच्रे रश्व मवमद्द श्रिय र्जिन पीजठ जिनड्डी यरिपेा उाउज्ञृाव वरी रख्की रघ्ण

ह्नपाची इश्म यारि र्जिन हिंहइए चश्रटए द्रचए चध्वीदज्ञए र्मिमवज्ञए`क्षए छारड्डीदज्ञए जक्ए मवीवए प्रअए ढ्रिए श्रिड्डी देद्द ढ्रिचक्ष दाकि चरख्रे यावद्द कर्वलेज्ञ ठाइ यच्रे हुमिवेम र्निवठ ड्डिका रघ्णूजज्ञ ख्रअीदज्ञ`ाजज्ञ जाइद्द दलाक कद्द हैश्मट र्जिन ग्रगवी`ज्ञ जाइद्द वर्ख्ल याओ मइहठज्ञ ठक्ष छख्ळकद्द रठण्रिकक्ष ग्वू ब्रुम र्जिन हर्ख्व हुाहीं कद्द ठाइ'ठाइ लक्ष्र पज्ञ यवश्जव चक्षज्ख्व कद्द वर्ख्ल इताज्ख्व का हख्ठ मवू जी ग्रकद्द कद्द पिज्छू। इाश्रिदा तिदा रघ्ण श्रिम ळाज हक्ष्वे`मवी ठाइ ग्रका वर्ख्ल ठक्ष हुकू मवका रश्श्रिदा वर्ख्ल ठाइ ग्रजाक वनाज्छ|का रघ्स'

चिवैा चिवैा`श चश्इिदा
श्रिम`ध्वी प्रि्री ळघ्टी
श्रिम`ध्वा ृर्ख्ल हख्वाक्ष
ठा ृध्वी प्रि्री ळघ्टी
ठा ृध्वा ृर्ख्ल हख्वाक्ष

चिवै का श्रिर कख्लटा श्रिर यवाह याठक्ष हुळाजि मीद्द चिठज्ञ ठरी। वय्रिकाणश्रिर याओ वक्षह र्जिन लर्ख्ळ पज्ञका रघ्ण दयी। चिवै ठाइ राज्ख्मद्द ळवकद्द रूकवकी पिाज्ख्व ईत हद्द|कद्द रज्ञणचिवै कीदज्ञ जध्कठा ळवहक्ष्व र्तइज्ञ याठक्ष मियद्द ठिळाती रश्वी र्जइ ग्रमद्द मवकीदज्ञ रठण दयी। यश्नकद्द रज्ञ मि पध्मव ग्रकद्द ठाइ र्दीदिनाव रश्जद्द`ज्ञ ज्ख्र श्रियका मवटा जिवश्ग मवका रघ्ए हव वर्ख्ल जिनावा नर्ख्हनाह श्रिर यळ मख्ड यरिक मव इद्द|का रघ्णवर्ख्लज्ञ ठक्ष जी दाहकद्द पिज्छ|कद्द वरिक का नाद रख्का रघ्ए ज्ख्र दाहका कर्ख्ल मियद्द ठाइ बश्इ ठरी। यमकध्ण्ज्ख्र दाहकद्द पीजठ कद्द द्रे`म यंड्डी ठाइ पिज्छ|कद्द रठण

ठकी मिठावद्द वर्ख्लटा लटा यी दूठ दूठ
ञितका रश्श्रिदा चश्इिदाए पी कद्द ठाइ पराठण

ज्ख्हवश्मे येवज्ञ र्जिन पी कद्द ठाइ पराठ जाड्डी जिनावगवा ड्डेी मियद्द ठक्ष ग्रकद्दर ठरी। रश यमकाण श्रिय इश्री इश्ट श्रिय हुमिर्वी ठक्ष चक्षश्री र्वलक की रघ्ण इश्म'यारि र्जिन रविदाजइद्द वर्ख्लज्ञ ठाइ र्तइज्ञ मवठ की चिर्वी जी जध्लक ठक्ष ड्डिकी रघ्ण

`क्षे जध रविदाइिदा`क्षेए`क्षे हइूकध पवकध

श्रिठी वारी।`क्ष पझकध श्रिउध्ए ूध्वध कश ठघ्क्झ कध चवकध

`क्षे जध रविदाइिदा`क्षेए ज्ञ्अीदझ`ध्वीदझ`ाश्री।

`द। मश्इश।ूध्वा ूरी झ्गिदाए रीव ठ्रिूकी का याश्री।

यावी हुमिवी दाहकध जियूाक र्जिन डक्ष्ूकी`द ताज्ध्ाकी रघ्णइश्ट यिवब श्रिय ठक्ष जध्लक जाड़ी र्दल देध यख्क्ठ जाइध म्रठझ की रघ्णकवलेझ कध र्हेदिझ का यंश्व ग्रती हघ्का मवका रघ्णपश ूठर्ख्ल की वक्ष्र ठक्ष यमक्ष्ठ+यंझ्री क्रिका रघ्ण वर्ख्ल पकश। रजा ठाइ डक्ष्ूकध रठ`झ श्रिर दाहका ग्रती हघ्का मवकध रठ'

र्हिहइ ताजध चश्रट ताजध्ए ताजध रविदाइा`क्षे

लट मध यख्ख वारीदाए`ध्वी वक्ष्र रश पक्ष्ती यक्षेण

इश्म'यारि र्जिन ूठर्ख्ल कध यख्दावमी यख्ळाद ठक्ष जी र्निविदा तिदा रघ्ण ूठर्ख्ल दाहकध झ्इन मवमध वर्ख्लझ ठक्ष यख्दावमी क्रियंछी ठाइ कध्लका रद देध दाहकध यख्दावम इश्री वर्ख्लझ का चईीकाठ कध्क`श। जी तख्वध्पं ठरी। मवकाण्ळाजध। वर्ख्ल याठक्ष चरखे यावीदझ मख्कवी ठिदोझ क्रिकध रठए हव ूठर्ख्ल दाहकीदझ`तीदझ`शैदझ ठक्ष कक्ष्व मवठ इश्री वर्ख्लझ का चईीकाठ मवठ ईत हिदा रघ्णमिध वश्री जाझा प्रअ जअक का हुग्रत दाज्ध्ाका रघ्णमिध जिरटध जिन ुचिघ्वी झाज्ख्ख काण

ूघ्ठक्ष र्मड़ी ठक्ष नख्वावा हा कध वश्री जाझा प्रअ जध्न मध

जिरटध झा ुचिघ्वी`ाजध। चरि मध र्मदिझ मवक्ष

मटिदा चाड ठा यश ।रकध र्हिहइए बर्ख्झ चाड बख्झारीदझ

र्यझ ठाइ रूध्इझ यश्रकीदझए च्रका ठाइ तवपाश्रीदझ

ग्रठ ळात ूध्वध दालध र्हिहइए मख्टीदझ ठध ही।गझ हाश्रीदझ

याज्ख्ख र्जिन मख्टीदझ ठध्ए हीगझ दयूाठ नटाश्रीदझ

मिध झ्रू`द तश्रध यिहारी की जरख्छी र्हिहइ ठक्ष दाहकध जिश्टध का राइ यख्काज्ध्ाकी रघ्णवर्ख्लझ ठाइ ठपंकीमी यझाड रश्क मवमध वर्ख्लझ ठख्क्ष दाहका र्ठिपी कर्ख्ल कयिदा पझका रद देध ूठ रष्झ मव इिदा पझका रघ्णमियध यिहारी की जरख्छी जइश। मियध श्रिठयाठ ठक्ष कर्ख्ल कयक की चपाश्रि र्हिहइ ठक्ष कर्ख्ल कयका जग्ध्वध न्रता देध यिदाक्ह जाझा म्रू इतका रघ्ण

र्हिहझा जध ूध्वध हध्मध ह्रिअ किदाए`ध्वीदझ ज्ञ्अीदझ`ाजझ

लच`ध्वी का त्रग्झा हाकीए ज्र्ख्श। चक्ष्व रछाजझ

र्यळध यरध्झीदझ यरख्वध तश्रीदझए मिय ठक्ष राइ यख्काजझ

र्निउीदझ चध्व्रत ळध्पकाए मिरटी`ाज्ख्वी इजा इिदा ठाजझ

इश्म'यारि र्जिन मिध ह्रि ठाइ डक्ष्छकी मख्टी की डामी यमठम व्रत का हिट च्रठफकी रघ्णमिध`टिदझ कध जिरटध जिनझी ह्रिए ती की ळायां चक्की रघ्णश्रिय`वफझ इश्म'यारि जिनइध ती किड़ी जइजइध्ए ज्ख्झझळध्ए नादए ूझावझ ठक्ष ूक्ष्वीूाठ मवकध रठ'

ज्ख्मध र्मिमवझ ठक्ष ूशै इतकध्ए र्पिम्श।ूध्वा जीव इ्गका

`धे`धे जर र्मिमवध दयझ र्यय का ग्रकक्ष्म चकाका

द्रच मश्इध श्रिूड़ीए ठी। प्रअ मश्इध छारड़ी

दमइ चिठझ ठी तश्वा व्रत पाजध लाड़ी

`ध्वी यिलवश। ही।ग छर्ख्छ पाजध ह्रि ठाइ डक्ष्छकीश्रध

मष्टी ढ्रि ठक्ष हेायध् इतकध् जिरटध्ै टिदझ कध्

`शे ही तिदा तख्झाची व्रत`ध्वा ढ्रि ठाइ डक्षछकीश्रध्

दपश्मध् कष्व र्जिन वर्ख्लझ की र्गछ वरी तिर्वी ठक्ष जध्ल मध्ृठर्ख्ल त्रि रश्श्रिदा रघ्ग वर्ख्लझ की गछ वरी तिर्वी यच्रगी त्रिझ मवकिदझ रश्श्रिदझ चरखे यावीदझ ग्रयमजझ ठध् चरख्'तिर्वी र्जिन वर्ख्ल इताज्ख्व का चीटा नर्खमिदा रघ्णह्रपाची इश्म'माजि र्जिन जी यष'यष वर्ख्ल इताज्ख्व का पिंमव चटध् मइ्रश्री व्त ठाइ रश्श्रिदा रघ्ए मिज्ख।मि श्रिर्मझा`झ वर्ख्ल जी ज्ख्काय रश पझका रध्'

ृध्।`झ यष'यष वर्ख्ल हश्री इाजझए वर्ख्ल`झ रवध् ळवध्

ृाजझ ज्रुीदझ`ाजझए`ाजझ मष्व मवध्ढ

र्मझा वर्ख्ल प्रतइझ र्जिन अश्इध्ए र्मझा र्वचा मश्री ठा रश्जध्

र्मझी रश्जध् ठा जक्झ कध् र्जिन छारझीए र्मझा ठा रश्जध् हर्खे र्पछ का

ह्रपाची इश्म'माजि र्जिन मिध्'मिध् र्दमए अध्म`ध् मवीवए प्रआए चध्वीदझ ठक्ष श्रिमश यावध् जी तिक्जझ र्किं पझका रध्'

ृव तश्री ठक्ष वर्ख्ल वश वरध्ए र्दम अध्म`ध् मवीव प्रअ चध्वीदझाण

ह्रपाची इश्म'यारि र्जिन हुमिवेम जयेक्ष्दझ ठरक्षृठर्ख्ल ठाइश। हरिइ र्किं तश्री रघ्णवर्ख्लझ ठक्ष दाृ दाकृी ठाइश। पिंदाका ज्ख्हरूश्ती कवयाश्रिदा तिदा रघ्ए पकश। श्रिम र्तळवक्ष्'खछिदाव ठरक्षृरिवा ृवका रध्'

चध्वीदझ ठक्ष चध्व इतकध्ए`घ्ठक्ष मख्ड ठा ईतध्ृखछिदावध्

ह्रपाची इश्म'माजि र्जिन र्गवी ृा की यिबें र्मी ढ्रिकी रघ्णयूर्ख्नध् इश्म'माजि र्जिन र्गवी ृा ठक्ष हुकृ मवठ की देध् र्गवी ृा की यिबें मवठ की ह्रुहवा ृष्पक्षं वरी रघ्ण पिय ळक्षी`ध्ृये इख्माश्री ताज्ख।की`ध् र्ठनकी रध् ज्ख्य ळक्षी कध् तख्'ताश्रिठ मीध् पझकध् रठ देध् ज्ख्य की यिबें र्मी पझकी रध्'

र्गवीश्रध् हिदाव मवध्।कीश्रधृ हव ृलिज्ख। की वीय

मक्मश। मक्म ज्रआश्रीश्रध्ए कर्ख्श। कर्ख दयीय

पझ पक र्गवी कध् राव'ग्रिंताव की र्तइ र्मी पझकी रघ्ए`झ'

र्गवीश्रध् हिदाव मवध्।कीश्रधृ`ध्वा`ृम ठक्ष्वश ठक्ष्व

यिव`ध् यर्ख्ळव यश।रकाए र्गतवा रवा मनक्ष्व

ह्रपाची इश्मृाठय दठख्याव र्गवी यक्ष्वप का नवला आरख्की रध्`ध् वर्ख्झ्रेक र्मल्कीदझ रठण्यक्ष्वप कध् नवलध् कध् वर्ख्झ कध्रेक र्मल्व की यक्ष्नठझ जी याओी इश्म'यारि जिनझी ह्रुहवा र्जिनश। ढ्रिकी रध्'

र्गवीश्रध् हिदाव मवध्।कीश्रधृैकझ र्जिनश।रेक

आर यक्ष्वप का नवलटाए वर्ख्झ र्मक्रेक

र्गवी ज्ख्हवृष्पक्ष यळ जयेक्ष्दझ दयमश्री रठण ठयंछ रश पाक जाइीदझ रठण्हव र्गवी की रश।क ठक्ष दाकि'पख्ताकि`श। र्यनृठिदा तिदा रघ्णश्रिय कध् दाकि'पख्ताकि कध् र्यन की पधृठाश्री पझकी रध्'

र्गवीश्रध् ठी हेर्ज्रीश्रधृ मध्री यक्ष्वप की इश्द

दाकि पख्ताकी र्यन कीए पठृ पठृ पध् रश

श्रिय मवमध् याओ ग्रयमिुी इश्म'यारि वारी। ग्वी ठक्ष हुकू मवकी रघ्णदम्वज'जध्क कध् वियी मजी ठध् जी ग्वी ूा की यिबें कध् यच्रग जिन श्रिर चाकी दझाही यी'

ूा ळक्ष्ू हखेुद्रे हिुम्जिरूाण

ठूश ूधुए हिुम्जिरूघ् ठूश ूधुं हिुम्जिरूघ्ण

ळाज श्रिर ळक्ष्ी ूा रघ्`ध्ू ज्ञ रज्ञ हिुम्जी हर्खेवणहिुम्जी ूा ठक्ष हुकूण्दम्वज जध्क कध् 'हिुम्जी यक्ष्मे' जाझी ळाजठा र्दप जी इश्म तीज्ञ र्जिन`ख्व वरी रघ्ण

ह्रपाची पीजठ की ज्रठ'यख्व्रठो वर्खेज्ञ`श। चरखे हुळाजि वरी रघ्णवर्खेज्ञ माजि वक्ष्ह र्जिन श्रिरठज्ञ का इश्म पीजठ ठाइ ग्रच्रग पश्ट मध् जधलिदा पज्ञका रघ्णइश्म'यारि र्जिन रव श्र्रिम वर्खे की दाहकी ूरें ठक्ष कवयाश्रिदा तिदा रघ्ण

नध्र्व ठा पाश्री न्रठा लिटी चराव जध्

जियाल ठा पारी न्रठा न्रचा ूषिदा

पध्उ ठा पाश्री न्रठा बयइज्ञ र्हमीदज्ञ

राट ठा पाश्री न्रठा र्ग्ख्हज्ञ आरलीदज्ञ

याजक ठा पाश्री न्रठा ईतीदज्ञ डटीदज्ञ

ळोवश। ठा पाश्री न्रठा र्हिव ूठाजकध्

र्मेध् ठा पाश्री न्रठा चइक कीजाइीदज्ञ

ूगव ठा पाश्री न्रठा इध्ब व्रताजकध्

हश्र ठा पाश्री न्रठा वोज्ञ जध् माइीदज्ञ

ूग ठा पाश्री न्रठा इश्रटी ूठाजकी

र्बतक ठा पाश्री न्रठा लध्औश्रध् रष्ीदज्ञ

चावज्ञ ूरीठध् न्रठा वइ ूिइ लध्औश्रध्

पज्ञ

राट ूरीठध् चश्इक निटीदज्ञए याज्ख्व ूरीठध् मश्इज्ञण

किइ`श्इध् ठक्ष डख्मकध् हइटध्ए ूध्। डख्मकध् ठा`श्इज्ञण

ह्रपाची इश्म'माजि र्जिन र्पिम्ध् ूरीठध् वर्खेज्ञ का पिंमव ूिका रघ्ए ज्ख्म्ध् याअध् हष्'हाकी बयइज्ञ का पिंमव जी जध्लक ठक्ष ूिका रघ्णपश मियाठी पीजठ का हुकवयंठ मवका रघ्'

मक्मज्ञ कध् ूक्ष्र`ध् दा तश्री झाइी

लख्यीदज्ञ ळवध् मिठावध्

पिज्रध्। र्तिग्ध् र्जिन र्ठनक मख्टीदज्ञ

बयइज्ञ इघ्क रख्ज्ञवध्

ळतटा हा ूख्रअिदा

`ध्।ठक्ष मक्म यघ्ठेज्ञ ूावघ्ण

पज्ञ

जध्`ध्वध् चापवध् की वाली किज्ख्वा ूद। ठा चख्रिकी जध्ण

चापवा मरध् ूद। चटा दइचध्झाए कश्ूक्ष्यइ यध् इटक्ष दमध्झाण

पज्ञ

मक्म हेझीए ेंइ ग्रगक्ध्ए लक्ष्र हख्वाकी ईउ

ूर्ख्ल हजाश्रध् लध्वीए नावध् नष्ट नर्हछ

ूझर जिवइध्`इ ग्रगक्ध्ए ूरीदज्ञ पाश्रध् र्मछ

ठक्ष्रज्ञ मख्टीदज्ञ प्रीदज्ञए नावध् नष्ट नर्हछ

मक्मए मूाकी ैंईदज्ञए रश्व पश लधी मर्ख्इ

वक्ष्टी चाड ठा रख्कीदज्ञए`क्ष ठा पाश्री। ळर्ख्इ

दपश्मध् कष्व र्जिन र्पिम्ध् जितिदाठ हुमिर्वो कध् वर्रय ठक्ष मख्ड यूड नर्खमिदा रध् देध् मख्ड यूडक इश्री ग्रगवयं मव विरा रघ्ए ज्ख्म्ध् इश्मूाठय ठध् जी दाहकी यक्ष्ड देध् यूर्वम ूखेचिम यूर्ख्नी यियंछी कध् वर्रय ठरक्ष पाठक की मशयिंयं र्मीी रघ्णपिजध्। यक्ष्वप देध्`ाविदज्ञ कध् दामाव चावध् इश्म'यारि कध् यिवपकराविदज्ञ ठध् दाहक्र दठखूठ इताश्रिदा रघ्णपिजध्।'

`ावा लावी न्रक गख्र्ज्ञ

यक्ष्वप का मश्री न्छम ठा

इश्म'यारि+माजि कध् यिवपमज्ञ ठध् ग्वी र्ज्ख्हवईीदज्ञ र्जल'र्जल कियांजज्ञ र्जिन दाज्ख्व'पाक यच्रगी जी दाहकी वाश्रि हुतछ र्मीी रघ्णळाजध्। श्रिय र्हिध् मश्री जितिदाठम मावठ ठरीं पाहकाए हव इश्म'नि श्रिय ठख्र हुजाठ मवमध् नइका रघ्णपिजध्।'

जीवजाव ठा पाश्रीश्रध् इूध्

ळाजध्। गव चघ्उध् वरीश्रध् ठिम्रूध्

ूतइ चर्ख ठा पाश्रीश्रध् हराट

र्पिी चापी दाश्रीश्रध् राव

ह्रपाची इश्म'यारि कध् यिवपमज्ञ ठध् यूर्ख्नी हुमिर्वो ठक्ष इश्म'यारि की जयेक्ष चक्रश्रिदा रघ्णइश्म'यारि ग्रपीज देध् ठिवपी हुमिर्वो ठाइ यच्रगे रव श्रिम यंघ्द ठख्र मझोमि`ष्वेध् हध्यं मवका रध् देध् ज्ख्य र्हि दाहकी ळाजठा हुतछाज्ख।का रघ्णश्रिय`वफज्ञ इश्म'यारि का यिवपम मिध् मख्कवे जिनइध् पीजज्ञ र्हि दाहकी ळाजठा हुतछाज्ख।का रध् देध् मिध् ज्ख्ठफज्ञ ठक्ष र्हीम चक्र मध् मश्री यख्ठध्रा यिवपका रघ्ण

माइिदा रवठा जध् वश्रीश्रध् बिवठा

`ध्वध् ग्रितज्ञ`ध् मी मख्ड इिलिदा

विं`ध्ूवताश्रीदज्ञ

र्दतध्`ज्ञ छहका यी म्रग्ज्ञ मश्उध्

रख्व ठा छहका लाश्रीदज्ञ

पज्ञ

चशे च्रठफ जध् यवचक्र जीवा

र्मिझीदज्ञ व्रतीठ र्तअीदज्ञ

`ध्वद्द चश्रे्द ठक्ष् तजावद्द कीदज्ञ बड़ीदज्ञ

`घ्ठख्क्ष जीवा कर्ख का`ैठा

यूर्ख्नी नवना`श। चादक दयी। मरि यमकद्द रज्ञ मि इश्म'यारि का लध्व दयीू रघ्णश्रिय ठख्क्ष म्श्टद्द पिरद्द यंचकज्ञ वारी। चिदाठ मवठा श्रिय ठाइ दठिदा रघ्ए मिज्ख।मि इश्म'यारि का ळआव दढे रघ्णश्रिय`ैश्छद्द पिरद्द ज्ख्हवाइद्द वारी। इश्म'माजि जिनझी हुमिवेम ज्रठती ठख्क्ष पाठक की`ैश्छी पिरी मशयिंयं र्मी तश्री रघ्णश्रिय`वफज्ञ ज्ख्हवड़िले`ैश्छा पिरा हुरूेठ इश्म'माजि जिनझी हुमिवेम ज्रठती ठक्ष् यूडक र्जिन यराश्री रख्का रघ्ण

यराश्रिम हख्येम यक्ष्नीर्स'

1३ पश्यीेए पी ग्रिगए इश्मगवार्स यिग्झे`द्द जियंइध्यंक्ए जाविय यांर बाज्ख।अध्यंठए द्रूेयिवण

2३ ज्ख्रीए र्यळिदानाव यिग्झे`द्द जिरावए जाविय यांर बाज्क्ष।अध्यंठए द्रूेयिवण

3३ ज्ख्रीए ह्रपाची दग्दिघ्ठ`द्द दग्दािहठर्स चकइकद्द हविहध्लए जाविय यांरए बाज्क्ष।अध्यंठए द्रूेयिवण

4३ र्येदिावमीए कधज्रिकवए इश्म ती का पठूए ठजरूर्ख्त हचझीमध्यंठए र्किझीण

5३ चध्कीए यशरि्कव ग्रिगए ह्रपाच की इश्मगवाए ठघ्यंठइ चर्ख्म छर्वयछए ठजी र्किझीण

6३ हक्ष्ठीए चइचीव ग्रिगए ह्रपाची इश्मगवा देद्द र्यळिदानाव ए जाविय यांर बाज्ख।अध्यंठए द्रूेयिवण